तर्ज-तुझे देख देख जगना

मेरी प्यासी प्यासी अखियां,तड़पूं मैं दिन और रतीयां
तेरे मिलन को नैना,तरसें ये दिन और रैना
आजा बुझा दे मेरी प्यास प्यास
जिया तलफ तलफ-2 जाए

1- रस भरे नैनां तेरे,इलम से जानी हूँ मैं
मरोड़ जो देखो इन्हें,अंग भेदत अनियारे
अति सुन्दर अलबेले,रस के भरे रंगीले
हाय हाय सुन जान जाये,जिया....

2- साकी यह नैनां तेरे,सुन्दर मद रंग भरे
गुण नैनों के क्या कहूँ,मीठे सुख मेहरों भरे
नैनां ये छैल छबीले,इश्के मस्ती में भीगे
आये रे आये बड़ी याद आये,जिया....

3-प्यारे मेरे प्राण के,कहती हूँ निसवत से
नैनों में बसा लो मुझे,डूबी रहूँ इनमें
अरवा आशिक ये चाहे,चंचल ये नैन तिहारे
जिनमें बसे हैं मेरे प्राण प्राण,जिया...

Nijanand App